संयुक्त राष्ट्र संघ में भारतीय प्रतिनिधियों द्वारा हिन्दी में दिए गये भाषण

409. **श्री विष्णु कान्त शास्त्री:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संयुक्त राष्ट्र संघ तथा उससे सम्बद्ध संगठनों के अधिवेशनों में गत वर्ष भारतीय प्रतिनिधियों ने कितने अवसरों पर भाषण दिये और उनमें से कितने भाषण हिन्दी में दिये गये तथा कितने अंग्रेजी में;

(ख) क्या सरकार ने ऐसी कोई व्यवस्था की है कि इन अवसरों पर जो अधिकारी हिन्दी में बोलना चाहें, उनके अनुवाद की सुविधायें उपलब्ध कराई जायें; और

(ग) यदि हां, तो उक्त व्यवस्थाओं का ब्यौरा क्या है और उनका उपयोग न किये जाने के क्या कारण है तथा उन व्यवस्थाओं का अधिक उपयोग किये जाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गये है?

विदेशी मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र और इस से सम्बद्ध संगठनों की बैठकों में भारतीय प्रतिनिधियों ने कई भाषण दिये थे। ये सभी भाषण संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा अर्थात् अंग्रेजी में दिये गये थे।

(ख) और (ग) प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र महा सभा में सत्र के दौरान न्यूयार्क स्थित भारत के स्थायी मिशन में इस उद्देश्य से एक हिन्दी अधिकारी भेजा जाता है ताकि प्रतिनिधि मंडल के उन सदस्यों को अनुवाद सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें जो हिन्दी में बोलना चाहें। हिन्दी में दिये गये भाषणों का वहीं अनुवाद करने हेतु व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र और उसके विशिष्ट अभिकरणों में आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराई जा सकती है। सरकार का इन सुविधाओं का जहां तक संभव होगा अधिक से अधिक उपयोग करने का विचार है।

Scarcity of Medicines at Danapur Division

410. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Group C and D staff of Danapur Division Eastern Railways are not getting medicines properly as prescribed by the doctors and denied for local purchase on scarcity of fund while Group A and B staff are taking such medicines through local purchase; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Allocation for Ganga Action Plan

411. SHRI JAGMOHAN: Will the Minister of ENVIRONMENT & FORESTS be pleased to state:

(a) whether about Rs. 200 crores have been allocated to Government/local bodies of Uttar Pradesh under the Ganga Action Plan;

(b) whether Ganga is still most polluted and filthy at six important cities of the states; namely Haridwar, Varanasi, Kanpur, Mirzapur, Allahabad and Farrukhabad;

(c) whether sewage treatment plants are not properly maintained due to non-availability of resources with local bodies and a lot of human and cattle waste is even now being daily dumped, untreated, at Varanasi in the river; and

(d) what corrective measures, if any, are being contemplated/taken?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) An amount of Rs.184.84 crores has been approved for implementation of 106 schemes in Uttar Pradesh under Ganga Action Plan Phase I.

(b) In the towns covered under Ganga, action Plan Phase I, wherever the interception, diversion and treatment works have been completed, the water quality of river Ganga has shown improvement. To control pollution caused to river Ganga from sources not covered under Ganga Action Plan Phase I, pollution abatement works are being taken up under GAP-II.

(c) and (d) The sewage Treatment Plants set up under Ganga Action Plan